भूगोल एक विषय के रूप में

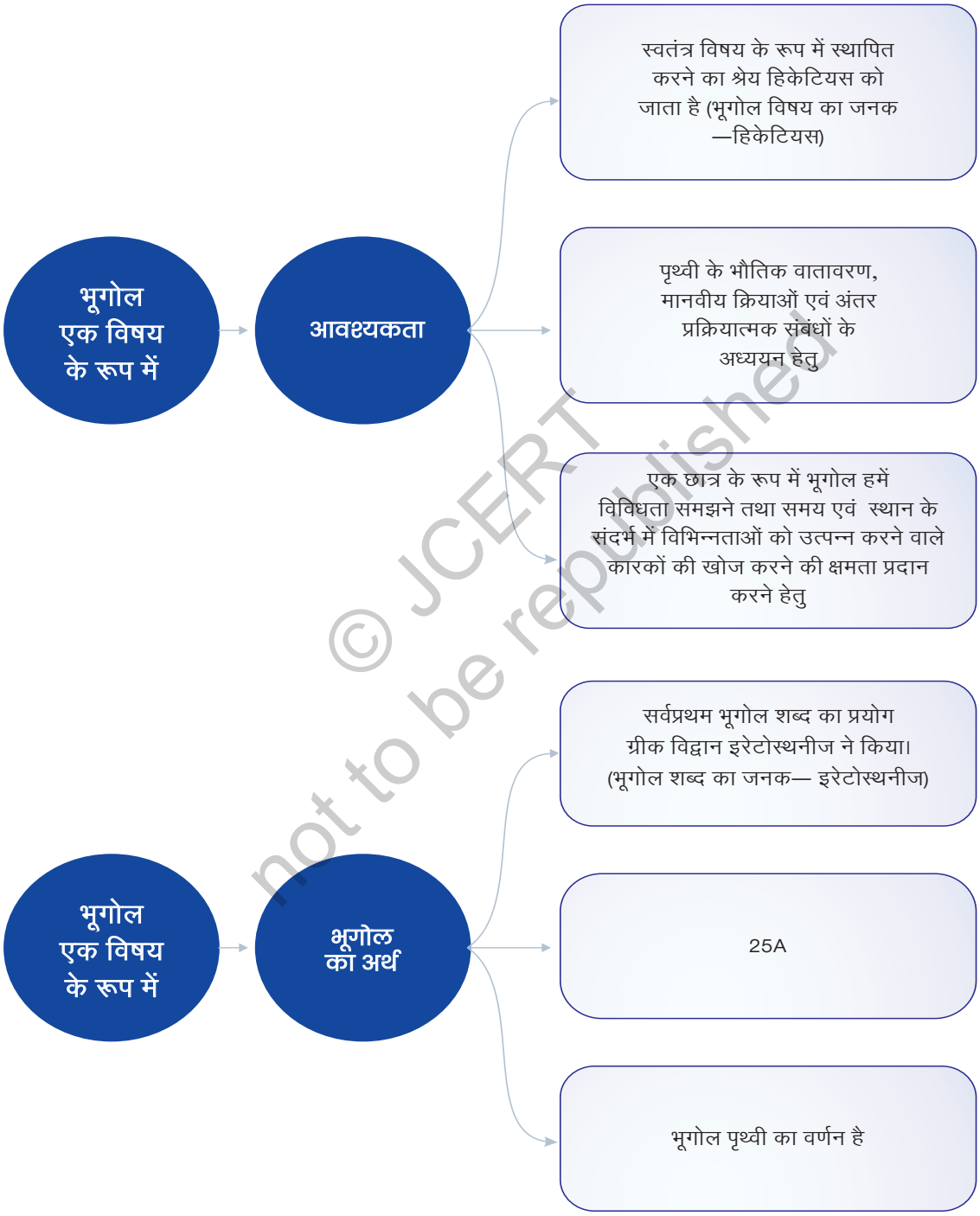

© JCERT not to be republished

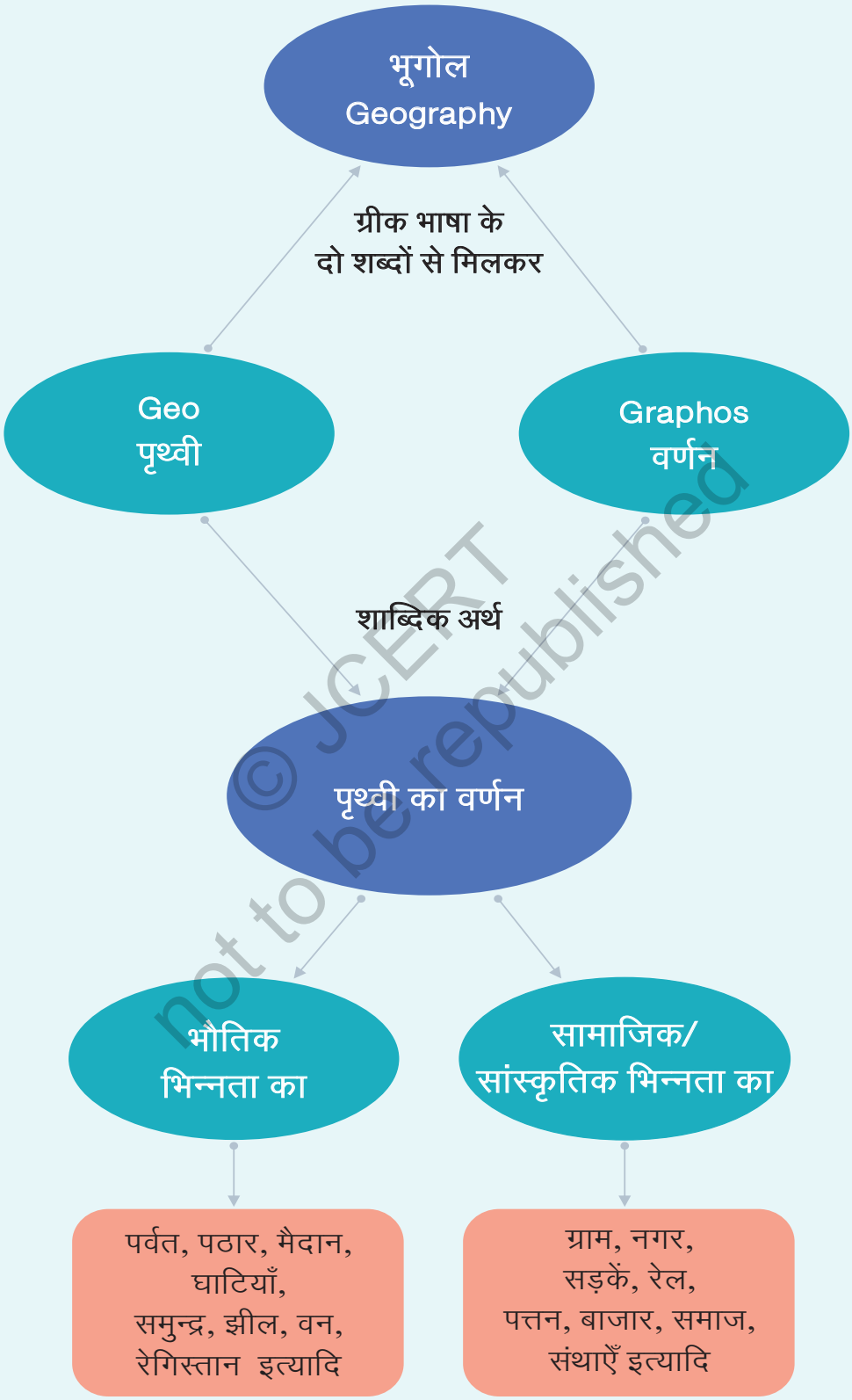

© JCERT not to be republished

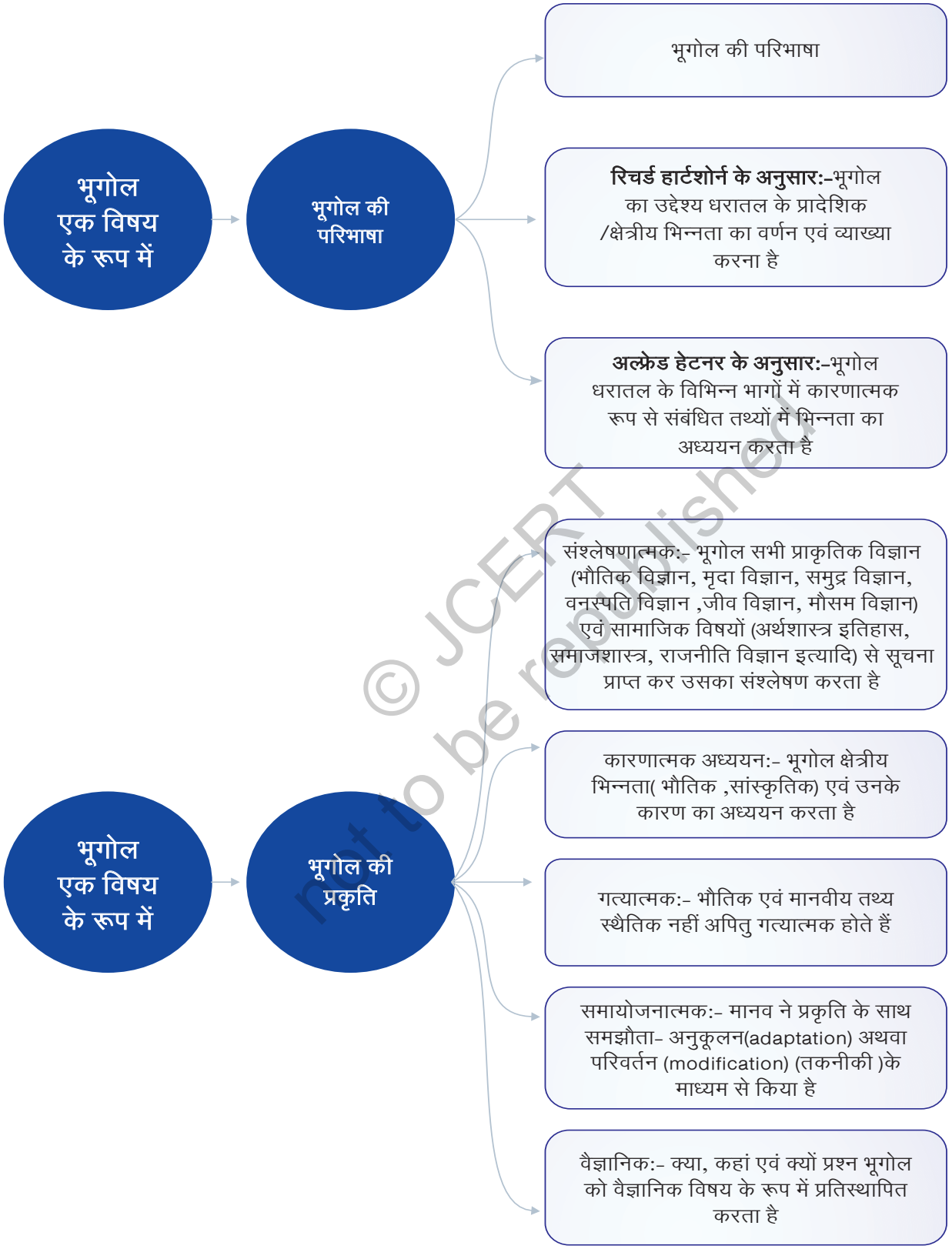

© JCERT not to be republished

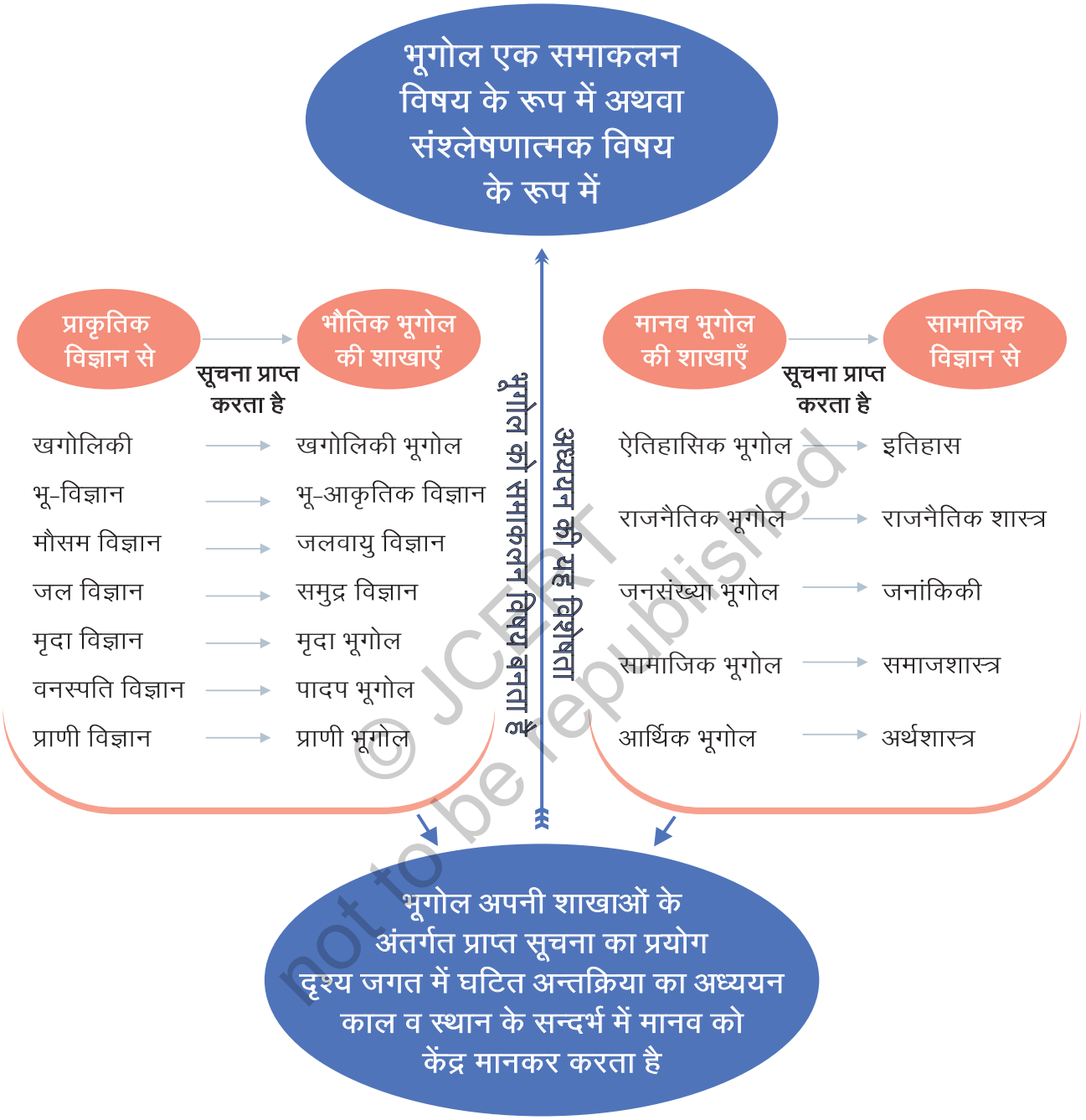

© JCERT not to be republished

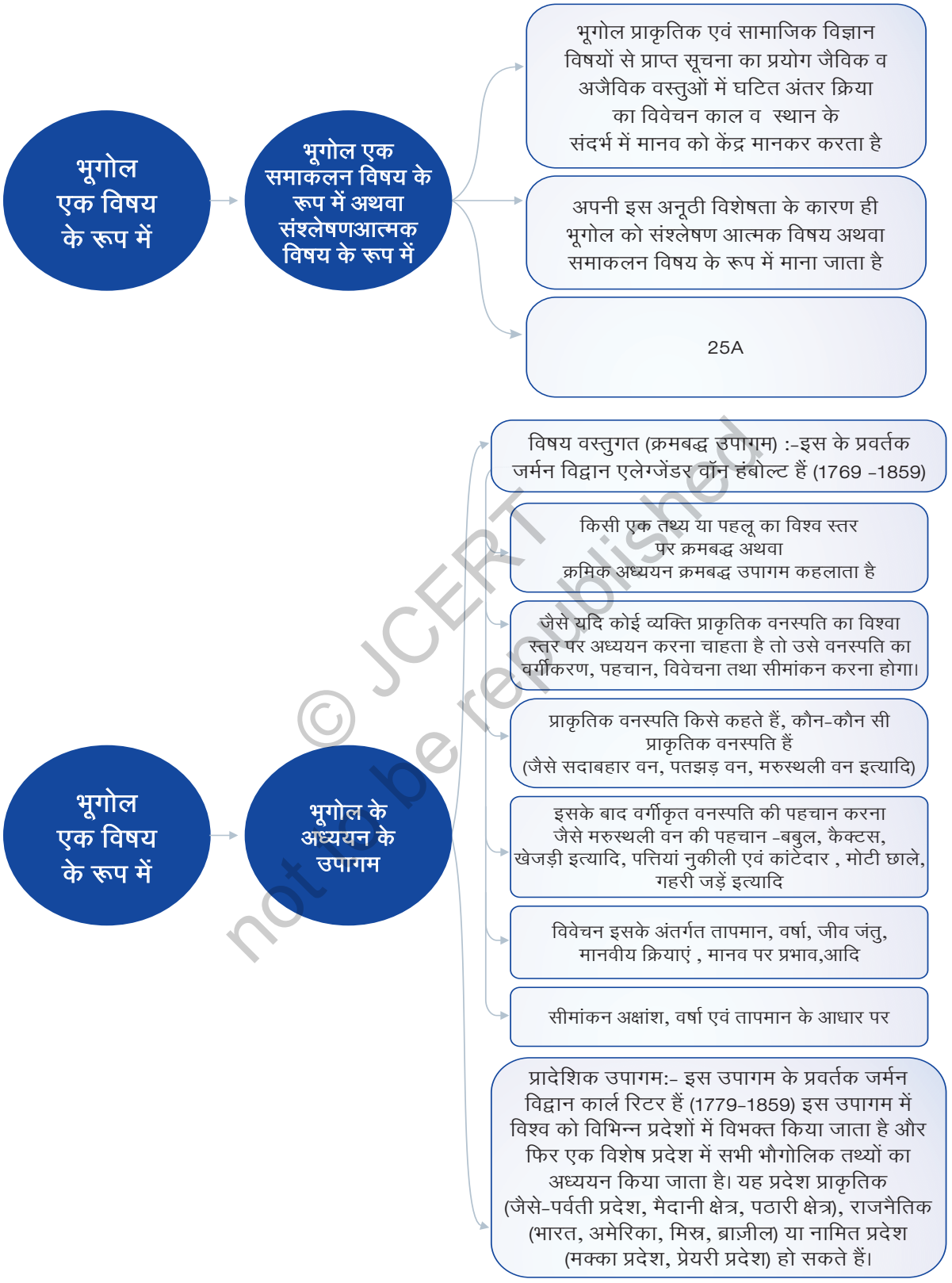

- **भूगोल एक विषय के रूप में**
  - **भूगोल एक समाकलन विषय के रूप में अथवा संश्लेषणआत्मक विषय के रूप में**
    - भूगोल प्राकृतिक एवं सामाजिक विज्ञान विषयों से प्राप्त सूचना का प्रयोग जैविक व अजैविक वस्तुओं में घटित अंतर क्रिया का विवेचन काल व स्थान के संदर्भ में मानव को केंद्र मानकर करता है
    - अपनी इस अनूठी विशेषता के कारण ही भूगोल को संश्लेषण आत्मक विषय अथवा समाकलन विषय के रूप में माना जाता है
    - 25A

- **भूगोल एक विषय के रूप में**
  - **भूगोल के अध्ययन के उपागम**
    - विषय वस्तुगत (क्रमबद्ध उपागम) :-इस के प्रवर्तक जर्मन विद्वान एलेग्जेंडर वॉन हंबोल्ट हैं (1769 -1859)
      - किसी एक तथ्य या पहलू का विश्व स्तर पर क्रमबद्ध अथवा क्रमिक अध्ययन क्रमबद्ध उपागम कहलाता है
      - जैसे यदि कोई व्यक्ति प्राकृतिक वनस्पति का विश्वा स्तर पर अध्ययन करना चाहता है तो उसे वनस्पति का वर्गीकरण, पहचान, विवेचना तथा सीमांकन करना होगा।
      - प्राकृतिक वनस्पति किसे कहते हैं, कौन-कौन सी प्राकृतिक वनस्पति हैं (जैसे सदाबहार वन, पतझड़ वन, मरुस्थली वन इत्यादि)
      - इसके बाद वर्गीकृत वनस्पति की पहचान करना जैसे मरुस्थली वन की पहचान -बबुल, कैक्टस, खेजड़ी इत्यादि, पत्तियां नुकीली एवं कांटेदार , मोटी छाले, गहरी जड़ें इत्यादि
      - विवेचन इसके अंतर्गत तापमान, वर्षा, जीव जंतु, मानवीय क्रियाएं , मानव पर प्रभाव,आदि
      - सीमांकन अक्षांश, वर्षा एवं तापमान के आधार पर
    - प्रादेशिक उपागम:- इस उपागम के प्रवर्तक जर्मन विद्वान कार्ल रिटर हैं (1779-1859) इस उपागम में विश्व को विभिन्न प्रदेशों में विभक्त किया जाता है और फिर एक विशेष प्रदेश में सभी भौगोलिक तथ्यों का अध्ययन किया जाता है। यह प्रदेश प्राकृतिक (जैसे-पर्वती प्रदेश, मैदानी क्षेत्र, पठारी क्षेत्र), राजनैतिक (भारत, अमेरिका, मिस्र, ब्राज़ील) या नामित प्रदेश (मक्का प्रदेश, प्रेयरी प्रदेश) हो सकते हैं।

© JCERT not to be republished

भूगोल एक विषय के रूप में

भूगोल की शाखाएं

भूगोल की शाखा को दो आधार पर बांटा गया है
(1) क्रमबद्ध उपागम के आधार पर और (2) प्रादेशिक उपागम के आधार पर

क्रमबद्ध उपागम के आधार पर भूगोल की शाखा

भौतिक भूगोल

- **भू -आकृति विज्ञान:-** यह भू आकृतियों, उनके क्रम विकास एवं संबंधित प्रक्रियाओं का अध्ययन करता है।
- **जलवायु विज्ञान:-** इसके अंतर्गत वायुमंडल की संरचना, मौसम तथा जलवायु के तत्व, जलवायु के प्रकार तथा जलवायु प्रदेश का अध्ययन किया जाता है।
- **जल विज्ञान:-** यह धरातल के जलमंडल जिसमें समुद्र, नदी, झील तथा अन्य जलाशय सम्मिलित है तथा उसका मानव सहित विभिन्न प्रकार के जीव एवं उनके कार्यों पर प्रभाव का अध्ययन करता है ।
- **मृदा भूगोल:-** यह मिट्टी निर्माण की प्रक्रिया,मिट्टी के प्रकार, उनका उत्पादकता स्तर, वितरण एवं उपयोग आदि के अध्ययन से संबंधित है।

मानव भूगोल

- **सामाजिक/ सांस्कृतिक भूगोल:-** इसके अंतर्गत समाज तथा इसकी स्थानिक/प्रादेशिक गत्यात्मकता एवं समाज के योगदान से निर्मित सांस्कृतिक तत्वों का अध्ययन किया जाता है।
- **जनसंख्या एवं अधिवास भूगोल:-** ग्रामीण तथा नगरीय क्षेत्रों में जनसंख्या वृद्धि,उसका वितरण, घनत्व लिंग अनुपात, प्रवास एवं व्यवसायिक संरचना आदि का अध्ययन होता है। जबकि अधिवास भूगोल में ग्रामीण तथा नगरीय अधिवास के वितरण, प्रारूप आदि का अध्ययन किया जाता है।
- **आर्थिक भूगोल:-** इसमें मानव की आर्थिक क्रियाओं जैसे कृषि, उद्योग पर्यटन, व्यापार, परिवहन एवं सेवाओं का अध्ययन होता है।
- **ऐतिहासिक भूगोल:-** यह उन ऐतिहासिक प्रक्रियाओं का अध्ययन है जो क्षेत्र को संगठित करती है। भौगोलिक तत्वों में भी सामाजिक परिवर्तन होते रहते हैं और इसी की व्याख्या ऐतिहासिक भूगोल में किया जाता है।
- **राजनीतिक भूगोल:-** यह क्षेत्र को राजनीतिक घटनाओं की दृष्टि से देखता है एवं सीमाओं एवं निकट पड़ोसी इकाइयों के मध्य निर्वाचन क्षेत्र का परिसीमन आदि करता है। साथ ही जनसंख्या के राजनीतिक व्यवहार को समझने के लिए सैद्धांतिक रूपरेखा विकसित करता है।

जीव भूगोल

- **वनस्पति भूगोल:-** यह प्राकृतिक वनस्पति का उसके निवास क्षेत्र में स्थानिक प्रारूप का अध्ययन करता है
- **जीव भूगोल:-** इसमें पशुओं एवं उनके निवास क्षेत्र के स्थानिक स्वरूप एवं भौगोलिक विशेषताओं का अध्ययन होता है।
- **पारिस्थितिक विज्ञान :-** इसमें प्रजातियों के निवास क्षेत्र का वैज्ञानिक अध्ययन किया जाता है।
- **पर्यावरण भूगोल:-** इसमें पर्यावरणीय समस्याओं जैसे प्रदूषण, संरक्षण आदि का अध्ययन किया जाता है

© JCERT not to be republished

चित्र : भूगोल तथा इसका अन्य विषयों से सम्बन्ध

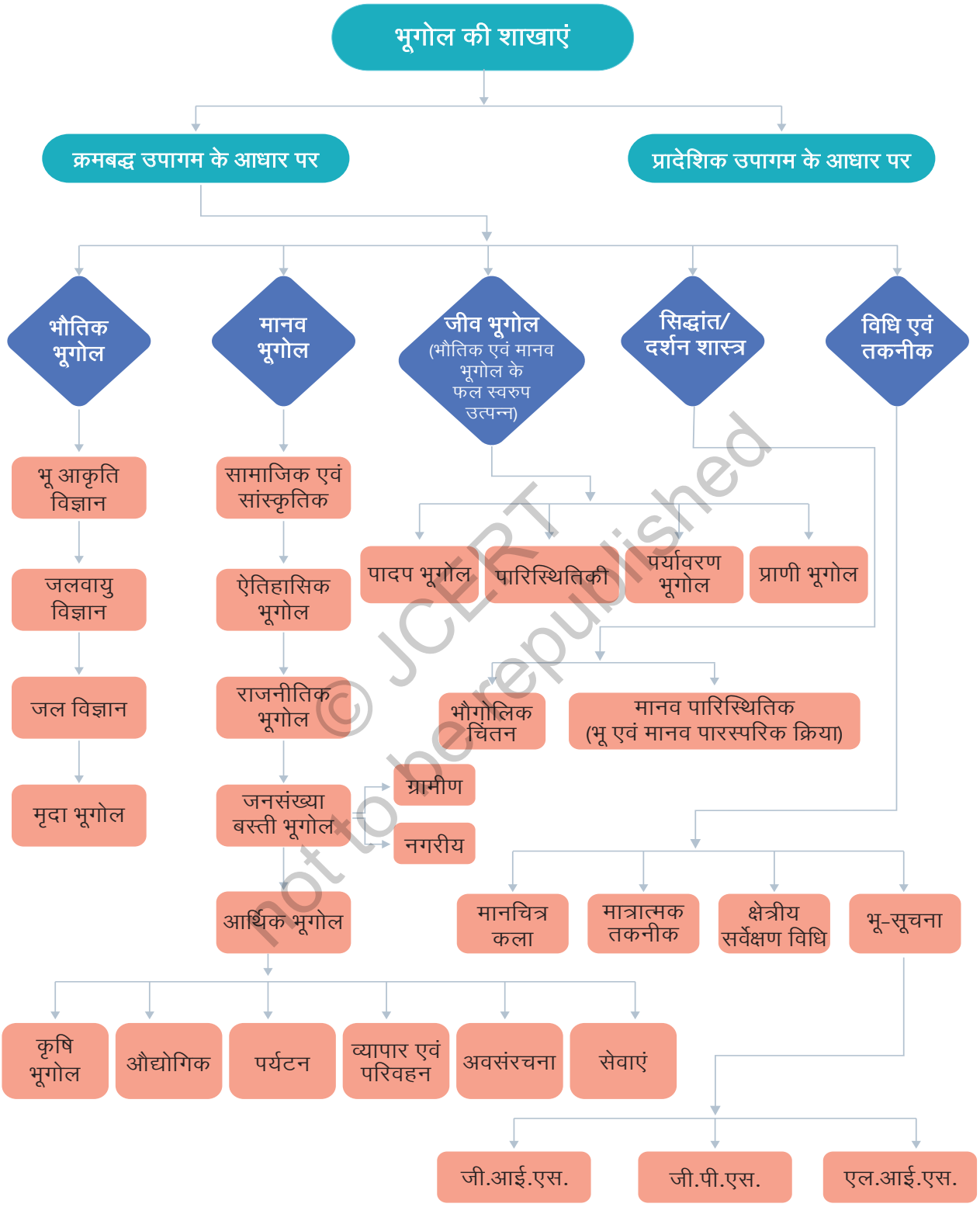

© JCERT not to be republished

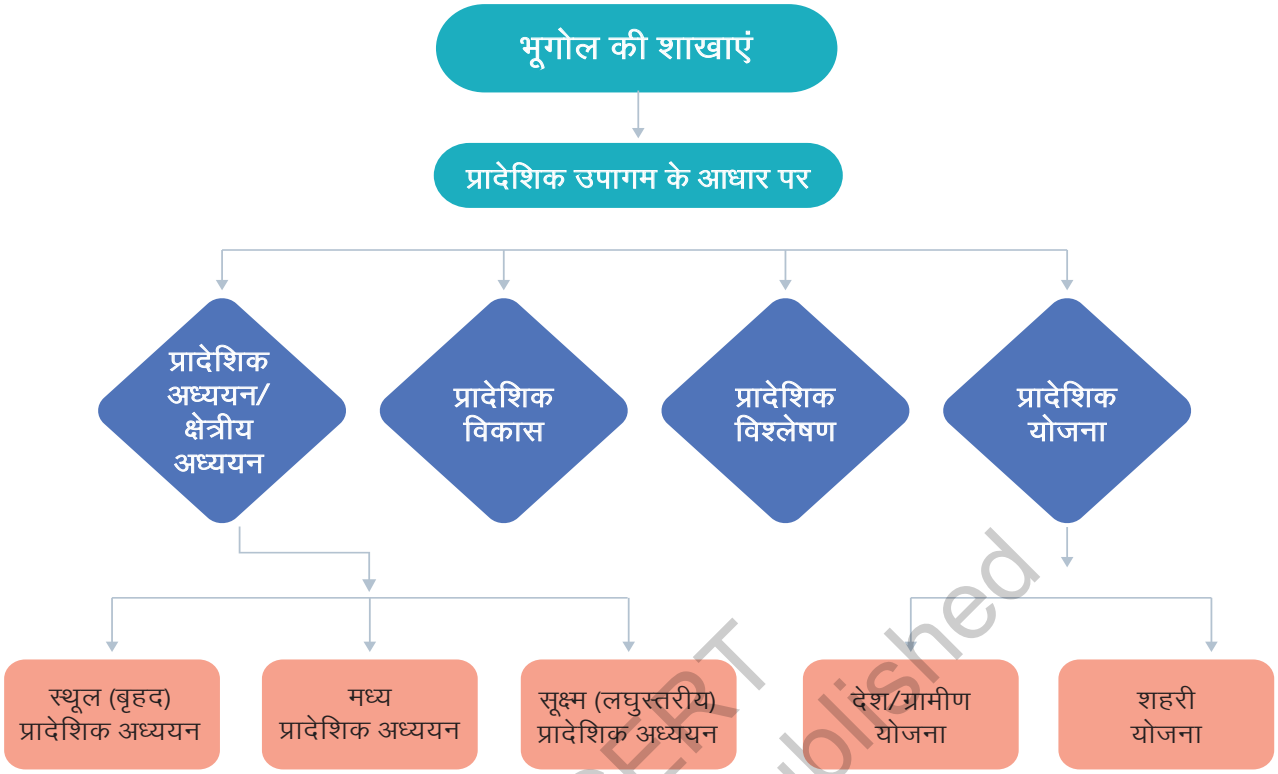

© JCERT not to be republished

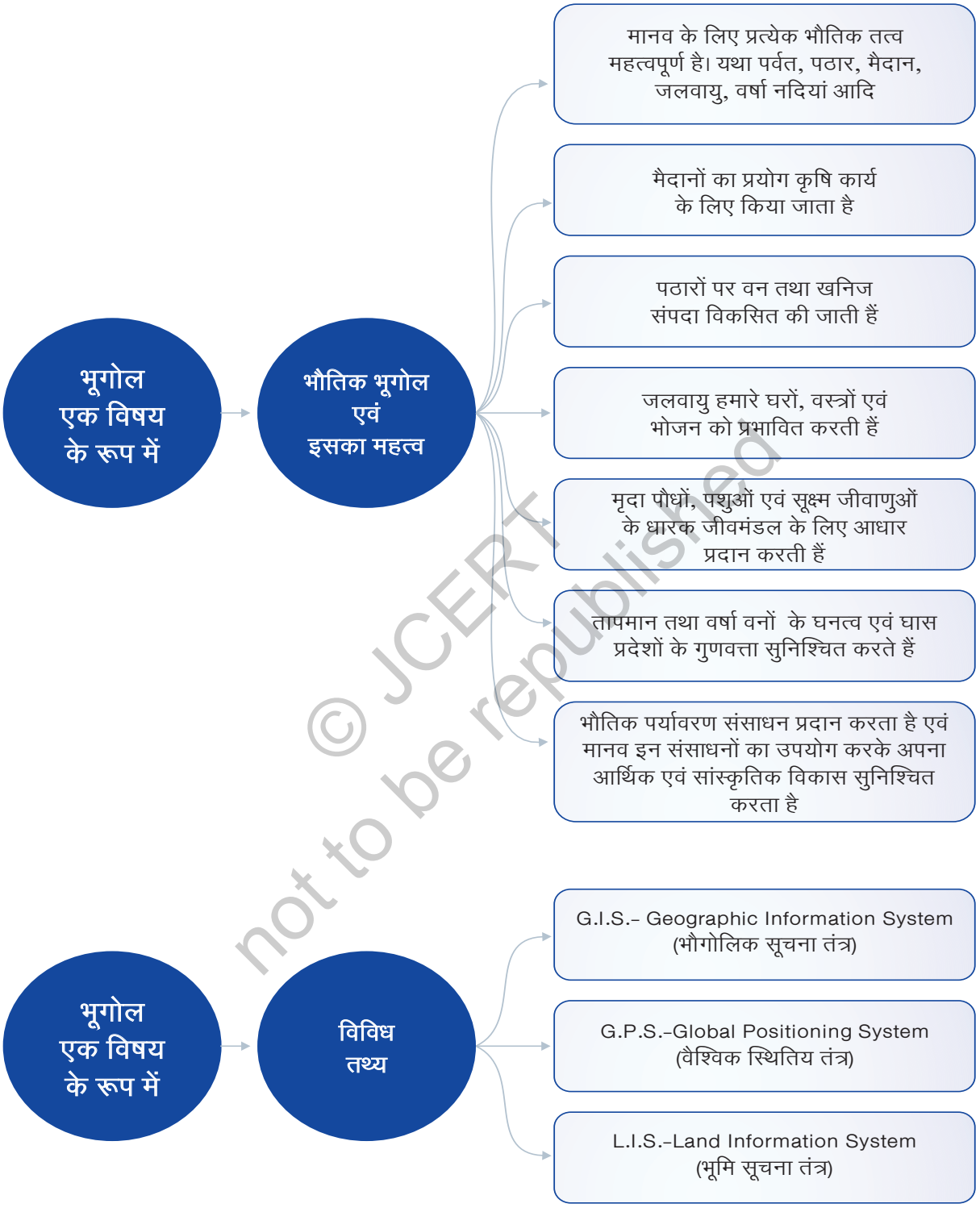

© JCERT not to be republished